Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: Ravi Kumar		Subject/Code:	ESSAY-03
UPSC Roll No: 1145957		Date:	JUL-21, 2024
Drishti Id: DMNR/2024/24123		E-mail Id:	
Centre: Nehru Vihar		Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours | *Maximum Marks: 250*

(To be filled by Evaluator only)

Section	(Essay Topic No.)	Marks Obtained
A		
B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time: 2:35 End Time:	Student Signature	(signed)
Mode of Examination	Online ☐ Offline ☑		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback

Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय की स्पष्टता और सुसंगति। **Introduction:** Clarity of theme and Coherence	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: **(125 × 2 = 250)**

खंड-A/SECTION-A

Topic:

अपनी स्वनिर्मित अपरिपक्वता से उभरना ही प्रबोधन है।

13वीं व 14वीं शताब्दी में ईसायत व ईसलाम में तर्क व ज्ञान की शक्ति की प्रतिस्पर्धा हुई, यूनानी/रोमचर्च जो कि ईसायत के लिए सर्वोच्च संस्था थी, जिसनें यह सिद्ध करने के लिए कॉपरनिकस व साथी वैज्ञानिकों को काम सौंपा कि पृथ्वी, सौरमण्डल के केन्द्र में है तथा सूर्य पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है।

अपने अनेकों प्रयोगों

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

के माध्यम से कॉपरनिकस ने इसका ठीक उल्टा निष्कर्ष पाया अर्थात् पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है।

लेकिन महामहिम चर्च जो कि अतार्किक, रूढ़ीवादी विचारों से ग्रस्त होने के कारण, सही व तार्किक व वैज्ञानिक निष्कर्ष को स्वीकार नहीं कर पायी। वैज्ञानिकों को अपने निष्कर्ष बदलने तथा चर्च के खिलाफ न जाने का दबाव बनाया।

ठीक कुछ वर्षों बाद वैज्ञानिकों ने फिर कॉपरनिकस के निष्कर्षों को ठीक पाया, तब तक चर्च ने भी अपनी शक्ति गंवा दी थी यह वो ही समय था जब पश्चिम में प्रबोधन का जन्म हुआ।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपरोक्त उदाहरण यह दिखाता है कि रूढ़िवादी व अतार्किक विचारों के नीचे दबा सत्य, तब तक नहीं जान पाएगे जब तक धूल रूपी रूढ़िवादी व अपरिपक्व विचारों वाली परतों को हम हटा नहीं देते।

अब हम विश्लेषण करेंगे कि अपरिपक्वता क्या है? प्रबोधन क्या है? कैसे अपरिपक्वता प्रबोधन के कार्य को बाधित करती है? एवं ऐसे क्या टूल्स हो सकते है जिससे अपरिपक्वता को तोड़कर प्रबोधन के रास्ते खोजे जा सके?

असल में, किसी विचार, विश्वास आदि में तर्क की जड़ों को खंगाले बिना उस विचार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

को अपनी thought process का हिस्सा बना लेना तथा उसका अंधा अनुसरण करना, अपरिपक्वता कहलाती है।

अपरिपक्वता वो भी होती है जहाँ व्यक्ति स्वयं की क्षमताओं पर विश्वास नही कर पाता है तथा खुद को किसी कार्य के लिए बिना प्रयास किए स्वयं को कमजोर बना लेता है। जैसे डर, कायर आदि से ग्रसित होना।

मनुष्य की सारी अपरिपक्वताओं की जड़ स्वयं उसका मस्तिष्क है, एवं उन्हीं बेड़ियों को तोड़कर ज्ञान के मार्ग का रास्ता भी उसी मस्तिष्क से ~~होकर~~ शुरू होता है।

इसलिए जरूरी यह है कि मानव मस्तिष्क की क्षमता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का उपयोग करते हुए यह साबित करना कि सही मायने में हम मनुष्य है।

क्योंकि मानव मस्तिस्क की सबसें बड़ी खासियत है "तर्क करनें की क्षमता", यही खासियत अन्य जीव-जानवरों सें मनुस्य को अलग बनाती है।

जब मनुस्य अपने तर्क करनें की शक्ति को भूल जाता है या विकसित ही नहीं करता है तो खुद को स्वयं underestimate करके अपरिपक्व बन जाता है

वहीं दूसरी ओर, तर्क की शक्ति का उपयोग करके कार्य करता है तो वह प्रबोधन के रास्ते पर चलता जाता है।

जैसे राजकुमार सिद्धार्थ को अनेक सत्यों से छुपाया लेकिन अंतत जब

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उन्होंने जीवन की चार वास्तविक घटनाएँ [वृद्ध, बीमार, विकलांग व मृत व्यक्ति] देखी तों उन्हें महसूस हुआ कि जो राजकुमार का युवा जीवन जी रहा हूँ यह तो केवल क्षण मात्र (अल्पकालिक) का है उनकें इसीं विचारों नें उन्हें प्रबोधन के रास्ते पर चलाया और उन्हे सिद्धार्थ से महात्मा बुद्ध बनाया।

तात्पर्य है कि 'सत्य की खोज' करके स्वयं को अधिक विकसित, बेहतर व सुसंगत बनाना ही 'प्रबोधन' कहलाता है।

'सत्य की खोज' का अर्थ यह नहीं कि सत्य कहीं बाहर अवस्थित है, और अब उसको खोजा जाए बल्कि वास्तविकता यह है कि सत्य, विभिन्न अतार्किक, पूर्वाग्रहों व अंधविश्वास से निर्मित परतों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के नीचे दबा रहता है उन dust रूपी परतों को दर्पण से हटाने पर व्यक्ति प्रतिबिम्ब रूपी स्व: (सत्य) से रुबरु होता है। यही सत्य की तरफ बढ़ना ही प्रबोधन कहलाता है।

इसी आत्मसंधान के संबंध में एक शायर लिखते है कि

" जिंदगी में उसने बड़ी बात करली
जिसने खुद से मुलाकात करली "

व्यक्ति जब अपरिपक्वता से ग्रसित रहता है तो व्यक्ति का ऊर्जा बजट (का अधिकतर अंश) उसी दिशा में खर्च हो जाता है तब आंशिक ऊर्जा व्यक्ति में मनचाहे बदलाव के लिए अपर्याप्त रहती है वहीं व्यक्ति जब Self discovery प्रक्रिया द्वारा अपने अंर्तजगत को खंगालता है तो अतार्किक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तथ्यों से भरे कचरे के साफ करके तर्क की बढ़नें की संभावना को बढ़ा देता है एवं उसें बेहतर विचारशील तार्किक इंसान बनने में मदद मिलती है।

~~चूँकि~~ जिस प्रकार हमने अपरिपक्वता को तोड़ना का पहला तरीका (Self-discovery) की चर्चा की है अब हम दूसरा तरीका के बारे में चर्चा करते हैं

स्वयं को किसी भी नई धरना आदि के लिए कोरा कागज बनाए रखना अर्थात् मस्तिष्क में स्थाति पूर्वाग्रहो को हावी होने देने के बजाय समस्त परिस्थितियों के मुताबिक तर्क के बल पर परिणाम तक पहुँचना। यह ठीक वैसे ही है जैसे चित्रकार को बेहतर व साफ चित्र बनाने के लिए उसे साफ कागज चाहिए।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

तीसरा यह है कि व्यक्ति को बाह्य भौतिक दुनिया से इतर कुछ समय, स्वयं के साथ ध्यान आदि द्वारा गुजारना चाहिए जिससे व्यक्ति स्वयं ~~की~~ ~~मजबूत~~ के ~~कमजोर~~ विचारो व विश्वासो का परीक्षण कर सके तथा गलत विचारों मे सुधार कर सके।

अब हम विश्लेषण करेंगे कि क्या अपरिपक्वता से उभरकर, प्रबोधन की तरफ जाने का कुछ लाभ है?

पर्यावरण के दृष्टिकोण मे देखे तो पहले मनुष्य स्वयं को ecosystem का केन्द्र मानता था तथा यह मानता था कि पर्यावरण/पारितंत्र मनुष्य की सहायता के लिए है

मनुष्य की इसी अपरिपक्वता ने मनुष्यता को ~~सामने~~ जलवायु परिवर्तन जैसे गहरे संकट के सामने

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लाकर खड़ा कर दिया, लेकिन धीरे-२ परिणामो को देखते हुए यह समझ आने लग गया कि मनुष्य व पारितंत्र में symbiotic relation है जो कि प्रबोधन की पहचान है।

वही सामाजिक परिप्रेक्ष्यो में देखे तो पाते है कि जैसा कि युवाल नोआ हरारी ने अपनी पुस्तक सेपियंस मे बताया है कि हजारो साल पहले ऐसी परिस्थितियाँ थी जिसकी वजह से महिलाओं को घर का काम, पुरुषों को भोजन की खोज के लिए बाहर के काम का बंटवारा हो गया था।

लेकिन आज जब वैसी परिस्थितियाँ नही है लेकिन वैसी ही प्रथा चल रही हो तो यह अपरिपक्वता है क्योंकि वर्तमान के तर्क के आधार पर वो प्रथा ठीक नहीं थी अतः

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महिला - पुरुष रोजगार में समान भागीदारी, का विचार प्रबोधन है।

जिस प्रकार व्यक्ति स्वयं अपनी क्षमता पर स्वनिर्मित अपरिपक्वता द्वारा speed bracker लगाता है वहीं कभी-कभी बाह्य निर्मित अपरिपक्वता से उभरना भी व्यक्ति के लिए जरूरी हो जाता है जैसे प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में मौलिक होता है अतः जब वह ~~अब जब~~ किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन का अंधा अनुसरण करता है तो वह स्वयं के enlightenment से दूर भागता हुआ खो जाता है इसी संबंध में शायर कहते है कि

"ले देके फकत इक नजर ही तो हमारी है
फिर क्यों देखे दुनियाँ को औरों की नजर से"

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त सम्पूर्ण विश्लेषण से हम पाते है कि व्यक्ति को स्वयं द्वारा ओढ़े गए अतार्किक आवरणों को भेदते हुए मूल व सत्य चेतना की खोज करनी चाहिए जिससे व्यक्ति की ऊर्जा गलत दिशा से सही दिशा में संरेखित हो जाती है तथा व्यक्ति अतार्किक चरम स्थितियों के त्यागकर संतुलित मार्ग का अनुसरण करते हुए स्वयं को बेहतरी की ओर ले जाता है तथा व्यक्ति को तर्कशील बनाता है जिससे व्यक्ति स्वयं कर्तव्य-अकर्तव्य सत्य-झूठ आदि का निष्कर्षण पाने मे समर्थ होता है एवं यही मायने में यही प्रबोधन कहलाता है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic:

6. स्वतंत्र अभिव्यक्ति गुमनामी में पनपती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: **e-mail:** care@groupdrishti.in :: **Website:** www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation